भारतीय जनता पार्टी
(केंद्रीय कार्यालय)
6A, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली

03 अप्रैल 2026, शुक्रवार

<u>केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा असम के गोलपारा और चायगांव में आयोजित विशाल जनसभाओं में दिए गए संबोधन के मुख्य बिंदु</u>

भाजपा इस बार असम विधानसभा चुनाव में 90 से अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगी।

मोदी जी असम के लिए ₹27,000 करोड़ का सेमीकंडक्टर प्लांट लाए, राहुल गांधी पूछते हैं कि उसके लिए जमीन क्यों दी गई?

राहुल गांधी कितना भी विरोध कर लें, भाजपा हर हाल में असम के पलाशबाड़ी में IIM स्थापित करेगी।

असम में भाजपा समान नागरिक संहिता (UCC) लागू करेगी, लेकिन आदिवासी भाइयों-बहनों को इससे बाहर रखा जाएगा।

कांग्रेस पार्टी ने असम को घुसपैठियों का गढ़ बनाया, भाजपा हर घुसपैठिए को चुन-चुनकर बाहर निकालेगी।

असम में भाजपा सरकार बनने पर हर आदिवासी महिला को प्रति माह ₹3,000 दिए जाएंगे।

भाजपा अगले 5 वर्षों में 2 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देगी।

असम में भाजपा सरकार किसानों को सालाना ₹11,000, ट्रैक्टर खरीदने के लिए ₹3 लाख, पावर टिलर के लिए ₹50 हजार सब्सिडी देगी।

भाजपा सरकार असम के हर आदिवासी परिवार को एक गाय और एक भैंस देगी तथा हर जिले में एक डेयरी स्थापित करेगी।

भाजपा सरकार चाय जनजातियों को जमीन का मालिक बनाएगी और घर निर्माण के लिए ₹75,000 की सहायता प्रदान करेगी।

नेहरू ने असम को 'टाटा-बाय-बाय' कह दिया था, लेकिन भाजपा के रहते असम की एक इंच जमीन भी कोई हथिया नहीं सकता।

भाजपा हर ब्लॉक में एक खेल स्टेडियम तथा हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज और इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित करेगी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई पर दुश्मन देशों से संबंध रखने के आरोप लगे, लेकिन कांग्रेस ने कोई जवाब नहीं दिया।

मोदी जी ने भूपेन हजारिका को भारत रत्न दिया, जिसे कांग्रेस द्वारा "नाचने-गाने वाला कहना" कहकर पूरे असम का अपमान किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज शुक्रवार को असम के गोलपारा और चायगांव में आयोजित विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। श्री अमित शाह ने दशकों तक असम और पूरे पूर्वोत्तर को अशांत रखने और तुष्टीकरण की राजनीति के तहत राज्य में अवैध

घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस पार्टी की जमकर आलोचना की। केंद्रीय गृह मंत्री ने आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा शर्मा के नेतृत्व में असम में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों का उल्लेख किया। श्री शाह ने जनता से अपील की कि इस विकास यात्रा को और गति देने के लिए भारतीय जनता पार्टी को पुनः आशीर्वाद दें, ताकि असम को स्थिरता, समृद्धि और सुरक्षित भविष्य की दिशा में आगे बढ़ाया जा सके। कार्यक्रम के दौरान मंच पर असम भाजपा प्रभारी श्री हरीश द्विवेदी, श्रीमती अलका गुर्जर, राभा हासोंग स्वायत्त परिषद के अध्यक्ष श्री फणीन्द्र राभा, दुधनोई से प्रत्याशी श्री टंकेश्वर राभा, गोलपारा पश्चिम से प्रत्याशी श्री पवित्र राभा, पलासबारी से प्रत्याशी श्री हिमांशु शेखर वैश्य और चायगांव से प्रत्याशी श्री राजू महेश सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

श्री अमित शाह ने कहा कि गोलपारा को मिनी असम कहते हैं, यह जनजातियों का प्रदेश है जहां राभा, बोडो, हाजोंग, बनई, कोच और चाय बागान के श्रमिक रहते हैं। कांग्रेस पार्टी असम आकर चुनाव लड़ती है, लेकिन कभी जनजातियों के कल्याण की बात नहीं करती। आजादी को 78 वर्ष हो गए थे, मगर कांग्रेस ने कभी भी किसी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने बहन द्रौपदी मुर्मु को महामहिम द्रौपदी मुर्मू बनाने का कार्य किया। कांग्रेस के कार्यकाल में आजादी से लेकर वर्ष 2013 तक आदिवासी समाज के विकास के लिए बजट में केवल 24 हजार करोड़ दिए गए लेकिन यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने इसे बढ़ाकर 1 लाख 41 हजार करोड़ रुपये करने का कार्य किया। साथ ही, देश भर के आदिवासी समाज और जनजातियों की कला, संस्कृति, खान-पान, वेशभूषा, संगीत और नृत्य को विश्व स्तर पर पहचान दिलाने का कार्य भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दुधनोई नदी को दूध की नदी कहा जाता था, मगर यहां एक भी डेयरी नहीं है? गोलपारा की जनता भाजपा को चुन ले, असम के हर जिले में एक डेयरी स्थापित की जाएगी और हर आदिवासी के घर में एक गाय और एक भैंस देने का कार्य किया जाएगा। असम में अवैध घुसपैठियों को घुसने से रोका जाना चाहिए। हाल ही में मेघालय में हुए चुनाव के दौरान गारो हिल्स में हिंसा हुई, क्योंकि भोली-भाली गारो महिलाओं को फंसाकर घुसपैठिये शादी कर हिल काउंसिल पर कब्जा करना चाहते थे। कांग्रेस पार्टी ने असम को घुसपैठियों का अड्डा बना दिया है, लेकिन तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद इन घुसपैठियों को चुन चुन कर बाहर निकाला जाएगा। भाजपा की दो बार सरकार बनने के दौरान सभी घुसपैठियों को चिन्हित कर लिया गया है, लेकिन समय थोड़ा कम पड़ गया। एक और पाँच साल का अवसर दिया जाए, तो चिन्हित किए गए घुसपैठियों को चुन-चुनकर निकालने का काम किया जाएगा।

श्री शाह ने कहा कि गांधी-नेहरू परिवार का असम के प्रति रवैया पहले से ही सकारात्मक नहीं रहा है। 1962 के चीन आक्रमण के समय इन्होंने असम को छोड़ दिया था, लेकिन हमारी आज की सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि असम की एक इंच भूमि पर कोई कब्जा नहीं कर सकता। कांग्रेस ने पूरे असम को अशांत क्षेत्र बनाकर रखा, असम के युवाओं की मौत पर राजनीतिक रोटियां सेंकीं। 2019 से 2024 के बीच भारतीय जनता पार्टी ने असम में कई समझौते किए, जिनमें बोडो, कार्बी आंगलोंग, होजाई, आदिवासी समूहों और उल्फा के साथ समझौते शामिल हैं और 10 हजार युवाओं को हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लाने का काम किया गया। 2003 के बामुनदोपा में बस बम धमाके हुए, 2010 के आईईडी ब्लास्ट और 2013 के गंडापारा गांव में हुई अंधाधुंध फायरिंग की घटनाओं में कई युवा मारे गए थे। 2016 के बाद असम में परिवर्तन आया और 2019 के बाद लगातार समझौतों के माध्यम से शांति स्थापित की गई। अब कहीं बम धमाके या गोलीबारी नहीं होती है। 90 के दशक की शुरुआत में मैं भी असम आया था, जब 'असम बचाओ आंदोलन' विद्यार्थी परिषद के नेतृत्व में चल रहा था। मैं गोलपारा आया था, जहां पुलिस ने लाठीचार्ज किया था, उस समय नारा लगाया जाता था, 'असम की गलियां सूनी हैं, इंदिरा गांधी खूनी है।' उस समय भी कांग्रेस पार्टी ने असम को अशांत क्षेत्र बना रखा था और 15 साल तक, विशेषकर मनमोहन सिंह की सरकार के दौरान 10 वर्षों में यहां अशांति फैलाई गई। असम के कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पर भारत के दुश्मन देश के साथ संबंध रखने का आरोप लगा है, लेकिन कांग्रेस ने उनसे कोई जवाब नहीं मांगा। आज जब हम संसद में इन बातों को उठाते हैं तो राहुल गांधी कहते हैं कि पुरानी बातें क्यों याद कराते हैं? पुरानी बातों को इस लिए याद रखना चाहिए, ताकि वही गलती दोबारा न हो। यदि गलती से भी गोलपारा में एक-दो कांग्रेस उम्मीदवार जीत गए, तो फिर से अशांति लौट आएगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस ने असम की संस्कृति के लिए कोई काम नहीं किया। इसके विपरीत, भारतीय जनता पार्टी ने बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा की मूर्ति दिल्ली में स्थापित की, लचित बोरफुकन की 125 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित की, चराईदेव मोईदाम को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराया, असम आंदोलन के शहीदों के लिए गुवाहाटी में भव्य स्मारक बनाया और लचित बोरफुकन का 400वां वर्ष देशभर में मनाया गया। भाजपा का उद्देश्य असम की संस्कृति को आगे बढ़ाना है। असम में घुसपैठ पर रोक लगने के बावजूद आबादी बढ़ने की बात सामने आती है, यदि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा शर्मा जी के नेतृत्व में फिर से सरकार बन जाएगी, तो असम में यूसीसी लागू किया जाएगा और एक से अधिक विवाह पर रोक लगेगी। कांग्रेस पार्टी आदिवासी समाज को यूसीसी के नाम पर डराती है, लेकिन आदिवासी भाई-बहनों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखा जाएगा। भारतीय जनता पार्टी ने राभा, कार्बी, तीवा, मिसिंग, देवरी और दिमासा भाषाओं में प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था की, जबकि पहले केवल अंग्रेजी पर जोर दिया जाता था। सैकड़ों स्कूलों के माध्यम से बच्चों को उनकी मातृभाषा में शिक्षा देने का काम

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में किया गया। साथ ही, महान असमिया भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलाने का कार्य भी यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने किया। घुसपैठियों ने असम में बड़ी मात्रा में भूमि पर कब्जा कर रखा था, जिसे मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा शर्मा के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने पिछले पांच वर्षों में लगभग डेढ़ लाख एकड़ भूमि को मुक्त कराया है। श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान और काजीरंगा में गैंडों के आवासीय क्षेत्र पर भी अवैध कब्जा था, जिसे हटाने का कार्य भी भाजपा सरकार ने किया।

श्री शाह ने कहा कि 8 हजार से अधिक जनजाति कलाकारों द्वारा चाय जनजाति का झूमर नृत्य आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देखा। इसी तरह 10 हज़ार से अधिक बोडो जनजाति के लोगों द्वारा बागुरुम्बा नृत्य और 11 हज़ार से अधिक कलाकारों द्वारा बिहू नृत्य भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उपस्थिति में हुए और वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित हुए। दुधनोई में 250 करोड़ रुपये की लागत से मेडिकल कॉलेज परिसर का निर्माण किया गया है, कुछदुआ में पोल्ट्री ब्रीडिंग फार्म और फीड मिल पर काम जारी है, 1138 करोड़ रुपये की लागत से गोलपारा में जलवायु लचीली पेयजल परियोजना पर कार्य चल रहा है। पलासबारी में आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा आईआईएम की स्थापना का उद्देश्य यह है कि असम के युवा, बेटा-बेटी उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश-विदेश की बड़ी कंपनियों में काम करें और इस क्षेत्र को शिक्षा का प्रमुख केंद्र बनाया जा सके। कांग्रेस पार्टी ने आईआईएम की स्थापना का विरोध किया, लेकिन राहुल गांधी को जितनी कोशिश करनी है कर लें, पलासबारी में आईआईएम बनकर रहेगा। आने वाले समय के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा एक व्यापक घोषणा पत्र जारी किया गया है जिसके अंतर्गत छोटे और मंझले किसानों को पहले 6 हज़ार रुपये मिलते थे, जिसे बढ़ाकर 11 हज़ार रुपये प्रति किसान करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही, ट्रैक्टर खरीदने के लिए 3 लाख रुपये की सब्सिडी और पावर टिलर के लिए 50 हज़ार रुपये की सब्सिडी देने की घोषणा की गई है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि असम में सेमीकंडक्टर प्लांट के लिए जमीन देने पर कांग्रेस और राहुल गांधी ने सवाल उठाए, आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लगभग 27,000 करोड़ रुपये का सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट असम को दिया है, जिससे राज्य में उद्योग और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और असम का नाम वैश्विक स्तर पर पहुंचेगा। असम में सब्जी मंडियों की चेन बनाई जाएगी, चाय जनजाति के लोगों को ज़मीन का मालिक बनाया जाएगा और घर बनाने के लिए 75 हज़ार रुपये दिए जाएंगे, साथ ही उनकी मजदूरी को बढ़ाकर 500 रुपये तक करने का काम भारतीय जनता पार्टी करेगी। सभी जनजातियों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा दी जाएगी। इसके अलावा चावल मुफ्त दिया जाएगा और दाल, चीनी, नमक तथा सरसों तेल रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा। हर महिला को हर महीने 3 हज़ार रुपये आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देने की योजना है। असम के विकास के लिए मुख्यमंत्री श्री हिमंता बिस्वा शर्मा ने एक व्यापक रोडमैप तैयार

किया है। राज्य में अनेक उद्योग स्थापित कर युवाओं के लिए अवसर बढ़ाए जाएंगे, वंदे भारत की नई ट्रेनें चलाई जाएंगी, हर ब्लॉक में एक खेल स्टेडियम बनाया जाएगा और हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज तथा एक इंजीनियरिंग कॉलेज स्थापित किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी यह सब करने में सक्षम नहीं है, क्योंकि अपने कार्यकाल में उसने कुछ नहीं किया। श्री शाह ने अपील की कि कमल के निशान पर मतदान कर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों को विजयी बनाया जाए, ताकि जिले की चारों सीटों पर भाजपा और एनडीए की जीत सुनिश्चित हो सके।

****